



# भारत सरकार Government of India

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय / Ministry of Agriculture & Farmers Welfare  
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग / Department of Agriculture & Farmers Welfare

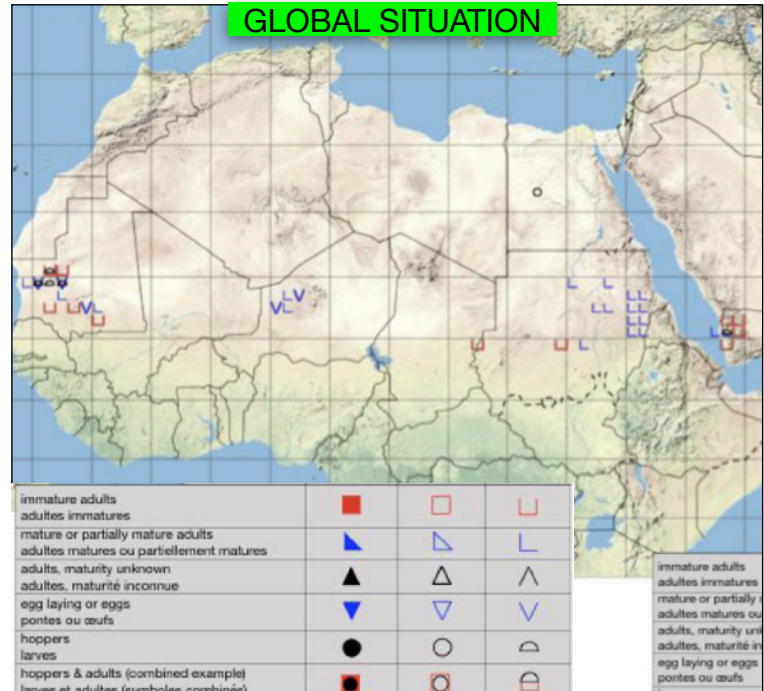
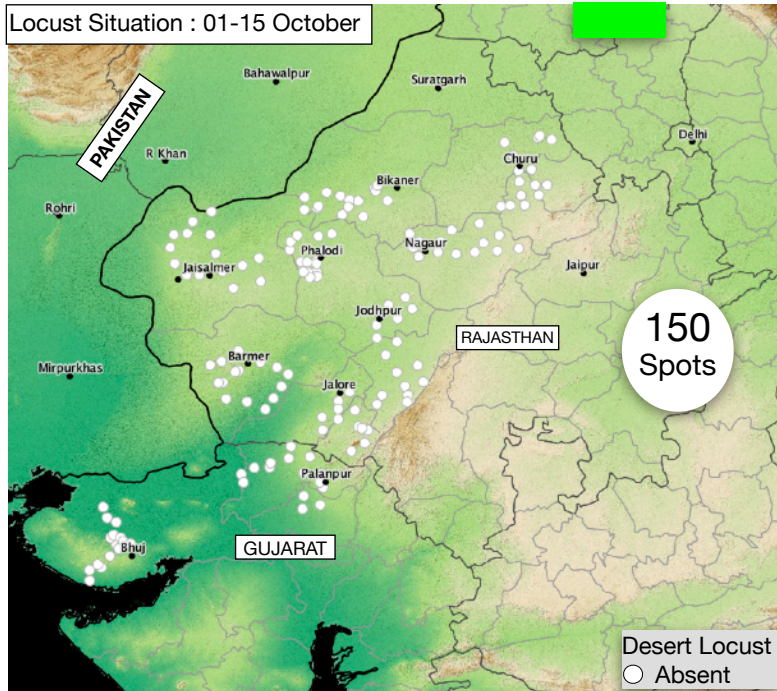
## DESERT LOCUST SITUATION BULLETIN

Year 2022 / No. 19

अवधि / Period 01-15 October, 2022

**LOCUST SITUATION :** During the routine survey, India (Scheduled Desert Area) is found free from gregarious as well as solitary desert locust activities in the 1<sup>st</sup> fortnight of October, 2022. Total 150 nos. of spots were observed while conducting surveys which are plotted on the map.

**टिड्डी की गतिविधियाँ :** अक्टूबर 2022 के प्रथम पखवाड़े में भारत (अनुसूचित रेगिस्तानी क्षेत्र) रेगिस्तानी टिड्डी की समूह एवं एकल गतिविधियों से मुक्त रहा है। इस अवधि में नियमित सर्वेक्षण के दौरान कुल 150 स्थानों का अवलोकन किया गया जिन्हे मानचित्र पर चिन्हित किया गया है।



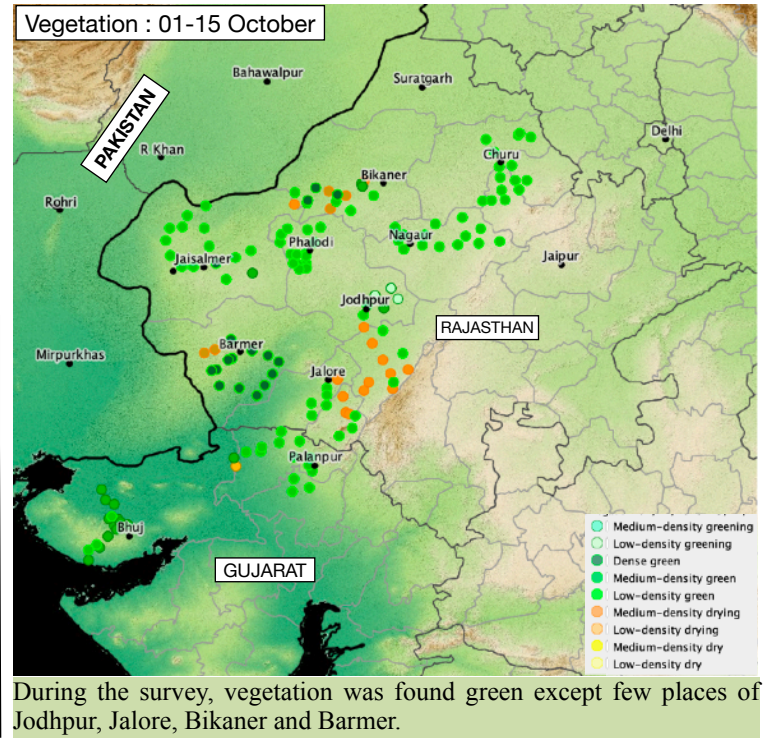
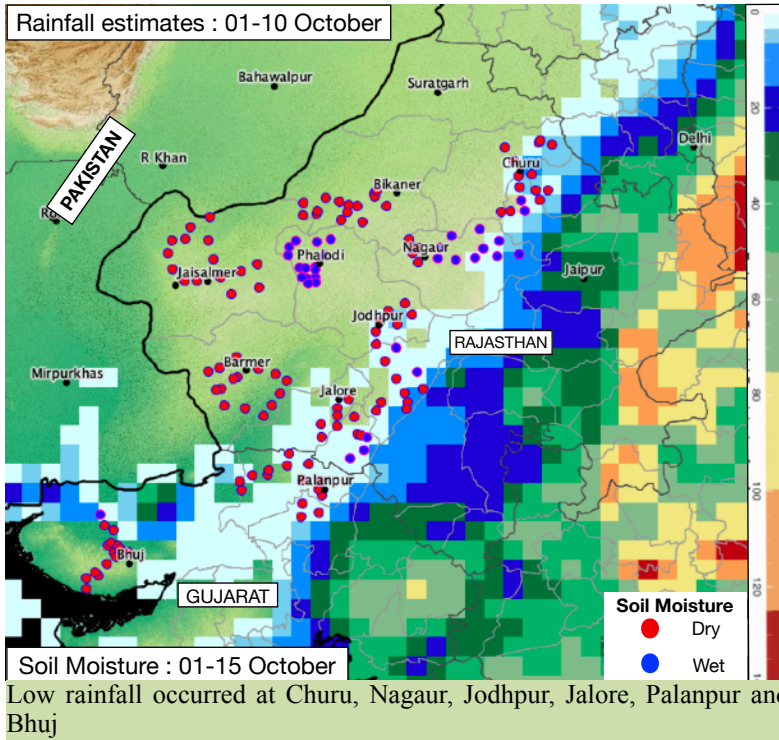
India is free from gregarious as well as solitary desert locust activities.

Low numbers of solitary adults persisted in **Mauritania, Niger, Sudan and Yemen**. Few hoppers were seen in parts of northwest **Mauritania** and in the Red Sea coastal plain of **Yemen**.

- Swarm movement : Nil
- Breeding : Nil
- Hoppers : Nil
- Scattered / Isolated adult/Adult Groups : Nil

**WEATHER AND ECOLOGY :** Rainfall estimates (01-10 October) shows low rainfall at Churu, Nagaur, Jodhpur, Jalore, Palanpur and Bhuj areas. During the survey, vegetation was found green except few places of Jodhpur, Jalore, Bikaner and Barmer. Soil moisture was observed dry except Phalodi and Nagaur.

**मौसम एवं परिस्थितिकी :** अनुमानित वर्षा मानचित्र (01-10 अक्टूबर) सूरतगढ़, चुरु, नागौर, जोधपुर, जालोर, पालनपुर एवं भुज में हल्की वर्षा को दर्शाता है। सर्वे के दौरान जोधपुर, जालोर, बीकानेर एवं बाड़मेर के कुछ स्थानों को छोड़कर हर तरफ वनस्पति हरी पाई गई। फलोदी एवं नागौर को छोड़कर सर्वे स्थानों में भूमि नमी रहित पाई गई।



**FAO Update (04 October) :** Only low numbers of solitary adults persisted in **Mauritania, Niger, Sudan, and Yemen**. Few hoppers were seen in parts of northwest **Mauritania** and in the Red Sea coastal plain of **Yemen**. During the forecast, locust numbers will continue to decrease in the summer breeding areas but are likely to increase slightly in current areas of northwest **Mauritania** and in the Red Sea coast of **Yemen** and start to appear in the coastal plains in **Sudan, Saudi Arabia**, and may be **Eritrea and Egypt** from November onwards.

**एफ. ए. ओ. अपडेट (04 अक्टूबर) :** मॉरिटानिया, नाइजर, सूडान और यमन में एकल वयस्कों की कम संख्या बनी रही। उत्तर पश्चिमी मॉरिटानिया के कुछ हिस्सों और यमन के लाल सागर के तटीय मैदान में कुछ हॉपर देखे गए। पूर्वानुमान के दौरान, ग्रीष्मकालीन प्रजनन क्षेत्रों में टिड्डियों की संख्या में कमी जारी रहेगी, लेकिन उत्तर-पश्चिम मॉरिटानिया के वर्तमान क्षेत्रों और यमन के लाल सागर तट में थोड़ी वृद्धि होने की संभावना है और नवंबर के बाद से सूडान, सऊदी अरब और तटीय मैदानों में तथा इरिट्रिया और मिस्र में भी वृद्धि देखी जा सकती हैं।

**South West Asia Commission (SWAC) :** Situation is calm in Iran, Pakistan, India and Afghanistan.

**दक्षिण पश्चिम एशिया आयोग (एस.डब्ल्यू.ए.सी.) :** ईरान, पाकिस्तान, भारत और अफगानिस्तान में स्थिति शांत है।

**FORECAST (India) :** As a result of declining monsoon in the Scheduled Desert Areas, the soil moisture and vegetation is now tend to be drying in the breeding zones. Moreover, no locust was seen during the survey. Therefore, any locust activity is not expected upto the next fortnight.

**पूर्वानुमान :** अनुसूचित मरुस्थलीय क्षेत्रों में मानसून की गिरावट के परिणामस्वरूप, प्रजनन क्षेत्रों में मिट्टी की नमी और वनस्पति अब सूख रही है। इसके अलावा, सर्वेक्षण के दौरान कोई टिड्डी नहीं देखी गई। अतः आने वाले पखवाड़े में टिड्डी की किसी प्रकार की गतिविधियों की उम्मीद नहीं की जाती हैं।

Photographs taken by surveyors

